

भारत सरकार  
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 5447  
उत्तर देने की तारीख 03.04.2025

ग्रामीण उद्यमों को प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण उद्यम त्वरण केंद्र (क्रिएट) सहायता

**5447. श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:**

क्या सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या ग्रामीण उद्यमों को सहायता देने के लिए प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण उद्यम त्वरण केंद्र (क्रिएट) की स्थापना की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ख) क्रिएट द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रमुख सुविधाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम क्या हैं;
- (ग) इस पहल का उद्देश्य किस प्रकार स्थानीय उत्पादकता को बढ़ाना और क्षेत्र में उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना है;
- (घ) क्रिएट का स्थानीय समुदायों की आजीविका में सुधार लाने और कारीगरों को उच्च पारिश्रमिक अर्जित करने में सक्षम बनाने पर अनुमानित प्रभाव क्या है; और
- (ङ) क्या सरकार ग्रामीण उद्यम विकास और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए विशेषकर गुजरात और अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है?

उत्तर  
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री  
(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) ग्रामीण उद्यमों को सहायता प्रदान करने, स्थानीय उत्पादकता, उत्पाद की गुणवत्ता में वृद्धि करने तथा स्थानीय परंपरागत कारीगरों की आजीविका में सुधार लाने के लिए लेह में प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण उद्यम त्वरण केंद्र (क्रिएट) की स्थापना की गई है।

(ख) प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण उद्यम त्वरण केंद्र (क्रिएट) एक पश्मीना ऊन प्रसंस्करण इकाई है, जिसे विरोमण पश्मीना को पश्मीना रोविंग में परिवर्तित करने के लिए स्थापित किया गया है।

(ग) एवं (घ): क्रिएट की स्थापना से पहले लेह में पश्मीना ऊन रोविंग प्रसंस्करण सुविधा उपलब्ध नहीं थी तथा इसलिए यह कार्य विभिन्न राज्यों में स्थित इकाइयों से किया जाता था। क्रिएट की स्थापना से लेह में स्थानीय स्तर पर पश्मीना रोविंग सुविधा उपलब्ध हो गई है, जिससे उच्च उत्पादकता, स्वचालन के कारण लगातार उत्पाद की गुणवत्ता और कारीगरों को उच्च आय प्राप्त हुई है। इससे कीमती पश्मीना फाइबर की बर्बादी भी कम हुई है।

उत्पादकता में वृद्धि होने से कताई-कर्ताओं और बुनकरों की आय में वृद्धि होगी। साथ ही, इससे पश्मीना कताई और बुनाई की कला को संरक्षित करने में भी सहायता प्राप्त होगी।

(ङ) अब तक की स्थिति के अनुसार, केवीआईसी की गुजरात राज्य में ऐसा कोई केंद्र स्थापित करने की कोई योजना नहीं है।

\*\*\*\*\*